85 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी मेट्रो-3

स्टेनलेस स्टील के रेक की लाइफ 35 साल, 30% बचेगी बिजली

कोच के अंदर एलसीडी स्क्रीन, डिजिटल मैप इंडिकेटर होंगे

Pankaj.Pandey
@timesgroup.com

मुंबई: दक्षिण मुंबई के यात्रियों को कुछ ही मिनटों में उपनगर पहुंचाने वाले मेट्रो-3 कॉरिडोर के रूट पर मंगलवार से ट्रायल रन शुरू हो गया। इस कॉरिडोर पर मेट्रो की रेक 35 साल तक यात्रियों को सेवा देगी। स्टेलनेस स्टील से बनी हर रेक में 2400 यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। मेट्रो 3 रोजाना करीब 17 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएगी। मेक इंडिया मुहिम के तहत देश में आंध्रप्रदेश के श्रीसिटी में अत्याधुनिक मेट्रो कोच का निर्माण हुआ है।

कोच निर्माण पर पड़ा असर: एमआरसीएल की एमडी अश्विनी भिड़े के अनुसार, कारशेड के निर्माण में हुई देरी का असर रेक के निर्माण पर भी पड़ा। वहीं समय की बचत करने के लिए आंध्रप्रदेश के श्रीसिटी में ही ट्रायल की कुछ प्रक्रिया को अंजाम दिया गया था। सेवा जल्द शुरू करने के लिए एक साथ कई काम किए जा रहे हैं। सीएम एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मेट्रो 3 परियोजना को संजीवनी प्रदान कर दी है। पिछले डेढ़ महीने से परियोजना के निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। दिसंबर, 2023 तक मेट्रो के फेस-1 पर सेवा शुरू कर दी जाएगी। आठ डिब्बों की नौ रेक के साथ फेस-1 पर सेवा शुरू की जाएगी।

दो फेस में चलेगी: एमएमआरसीएल ने दो फेस में मेट्रो चलाने का निर्णय लिया है। पहले फेस के तहत सिप्ज से बीकेसी के बीच मेट्रो को चलाया जाएगा। जून, 2024 तक पूरे रूट पर सेवा शुरू कर दी जाएगी।

यात्रियों पर बढ़ सकता था बोझ: फडणवीस के मुताबिक, कांजुरमार्ग में कारशेड बनने से आगामी चार वर्ष में सेवा शुरू नहीं हो पाती, नतीजतन परियोजना की लागत में करीब 10 से 20 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होती। लागत बढ़ने का सीधा असर यात्रियों पर पड़ता था, टिकट की दरों में बढ़ोतरी हो सकती थी। आरे में 25 फीसदी काम होने पर कारशेड पर लगाने का निर्णय गलत था। सर्वोच्च न्यायालय की मंजूरी से हमने आरे में कारशेड तैयार करने का काम शुरू किया था।

इसलिए है खास

- मेट्रो को 85 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैक पर दौड़ाया जाएगा। एमएमआरसीएल के अनुसार, मेट्रो को अधिकतम 95 किमी की स्पीड तक दौड़ाया जा सकता है, लेकिन शुरुआती चरण में 85 किमी की स्पीड से दौड़ाया जाएगा।
- आठ डिब्बे की रेक को रोकने के लिए रिजनरेटिव ब्रेक का इस्तेमाल होगा। इसकी वजह से करीब 30 फीसदी बिजली की बचत होगी।
- देश में तैयार मेट्रो रेक को बगैर चालक के भी चलाया जा सकता है। यह पूरी तरह ड्राइवर लैस ट्रेन है।
- कोच फुल एसी होंगे। साथ ही कोच के अंदर एलसीडी स्क्रीन, डिजिटल मैप इंडिकेटर, अग्नि शमन यंत्र, स्मोक डिटेक्टर, इमरजेंसी के लिए वायस कम्युनिकेटर और पीएम सिस्टम भी होगा।
- शारीरिक रूप से दिव्यांग व्यक्ति के लिए डेडीकेटेड वीलचेयर एरिया होगा। कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच 33.5 किमी लंबा भूमिगत मेट्रो मार्ग तैयार किया जा रहा है।

अब तक यह काम

टनलिंग	98.9%
सुरंग	41/42
स्टेशन वर्क	84%
सिविल वर्क	86%
सिस्टम वर्क	43
ट्रेक वर्क	40 %
ऑल प्रॉजेक्ट	75 %

हर जगह होगी कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अनुसार, जिन स्थानों पर रेलवे की कनेक्टिविटी नहीं है, उन स्थानों पर मेट्रो 3 के माध्यम से कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। इस रूट पर सेवा शुरू होने से वायु व ध्वनि प्रदूषण कम होगा। वहीं साढ़े तीन लाख लीटर ईंधन की भी बचत होगी। आरे में कारशेड तैयार करने का निर्णय बिल्कुल सही है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट बेहतर होने से लोग निजी गाड़ियों से सफर करने के बजाए पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करेंगे। इस से ट्रैफिक कम होगा, यात्रा के दौरान बर्बाद होने वाले लोगों की समय की बचत होगी। सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने की दिशा में काम कर रही है।